



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]
No. 17]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 10, 1984/माघ 21, 1905
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 10, 1984/MAGHA 21, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1984

सं० एफ० 4(5) इन्फ्यू एण्ड एम/83:--7.75 प्रति-
जन ऋण, 1991 (पांचवां निर्गम), और 9.50 प्रतिजन
ऋण, 2008 के लिए 600 करोड़ रुपये की कुल राशि के
लिए 20 फरवरी, 1984 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक
अभिदान तकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परन्तुमात्र लिखित
अधिलेख, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 20
फरवरी, 1984 को फुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य
दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों
में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 600 करोड़
रुपयों में अधिक प्राप्त 10 प्रतिजन तक के अभिदानों को
रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उल्लेखित ऋणों की कुल अभिदान राशि 660
करोड़ रुपये में अधिक हो तो ऋणों के संदर्भ में आनुपातिक
आधार पर आंशिक आवंटन किया जाएगा। यदि आंशिक
आवंटन किया जाता है तो आंशिक आवंटन के बाद यथावधि

अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार
लौटायी गयी राशि पर कोई व्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिजन की दर पर जारी किया
जाने वाला और 15 जुलाई, 1991 को सममूल्य पर प्रतिदेय
7.75 प्रतिजन ऋण, 1991 (पांचवां निर्गम)

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 15 जुलाई,
1991 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—आवर्तित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00
(सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) व्याज—इस ऋण की व्याज दर 20 फरवरी,
1984 से वार्षिक 7.75 प्रतिजन होगी। 20
फरवरी, 1984 से 14 जुलाई, 1984 (दोनों दिन
मिलाकर) तक की अवधि के लिए व्याज 15
जुलाई, 1984 को अदा किया जाएगा और इससे
बाद प्रत्येक छमाही में 15 जनवरी और 15
जुलाई को व्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार
अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद
7 और 8 के उपबंधों के अधीन आधेकर अधिनियम
1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 20 फरवरी, 2008 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.50 प्रतिशत, ऋण 2008

- (1) वापसी अदायगी की तारीख — ऋण 20 फरवरी, 2008 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य — आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) व्याज :— इस ऋण की व्याज दर 20 फरवरी 1984 से वार्षिक 9.50 प्रतिशत होगी। व्याज प्रत्येक छमाही में 20 अगस्त और 20 फरवरी को अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्था

5. आवेदनपत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे :—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फाई और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं

6. व्याज अदा करने का स्थान :— इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा मिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उम राजकोष में व्याज अदा किया जाएगा।

7. व्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋणधारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसे दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उससे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होनेवाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे व्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, व्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता

8. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर व्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुसूचित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक, 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80-ठ के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

9. अब जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,65,000 रुपयों की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

10. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी।

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

11. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

12. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उम कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक व्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

13. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जानेवाले चेक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिए।

14. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,

ए० रंगाचारी, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का फार्म

मैं/हम* (पूरा/पूरे नाम) इसके साथ
 रु० (रायें) के लिए चेक/नकदी
 प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* दस्तावेज़ित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों)
 रस्टाक प्रमाणपत्र* के रूप में रु० के गारंटीक मूल्य के 7.75 प्रतिशत अर्ध, 1991 (पाँचवां
 निर्गम)* 9.50 प्रतिशत अर्ध, 2008* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु० का (क)† वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० का (के)† वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे। प्रविष्टियां आदाना कार्यालय
 द्वारा की जाएंगी

छांटे हस्ताक्षर	दिनांक	हस्ताक्षर	पूरा पूरे नाम
आवेदन पत्र में			
"दलाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने			पता
की तारीख			
चेक वसूल होने की तारीख			
विशेष चालू खाने में जमा करने की			
तारीख			
जांच की गयी नकदी आवेदनपत्रों के			
रजिस्टर में दर्ज किया गया			
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मार्ग पत्र में			
प्रतिभूति में		दिनांक	
काट में		फरवरी 1984	
दा उत्तर पारित करने की तारीख			

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000, और 1,00,000 के मूल्य
 वर्गों में वचनपत्र जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहां उल्लेख करें।

टिप्पणियां:

- (1) प्रत्येक अर्ध, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये अर्ध की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
 - (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निजान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसे साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
 - (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक अर्ध कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं:
- (1) निगम/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हुकी मूल्य प्रमाणपत्र।

- (2) कंपनी/निकाय के ज्ञापन पत्र और अनियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
- (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का निवेश करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेण फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th February, 1984

No. F. 4(5) W&M/83.—Subscriptions for the issues of 7.75 per cent Loan, 1991 (Fifth Issue) and 9.50 per cent. Loan 2008* for an aggregate amount of Rs. 600 crores will be received in the form of cash on the 20th February, 1984 upto the close of Banking hours. In the event of 20th February, 1984 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 600 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 7.75 per cent Loan, 1991 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 15th July, 1991.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 15th July, 1991.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.75 per cent per annum from 20th February, 1984. Interest for the period from 20th February, 1984 to 14th July, 1984 (inclusive) will be paid on 15th July, 1984 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 15th January, and 15th July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 9.50 per cent Loan, 2008 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 20th February, 2008.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 20th February, 2008.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 9.50 per cent per annum from 20th February, 1984. Interest will be paid half-yearly on the 20th August and 20th February. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the District Headquarters in India except at (a) above.

6. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

8. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,65,000.

10. The securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes. If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

11. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamps.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of flotation of the loans.

By order of the President
A. RANGACHARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
[Full Name(s) in Block Letters]

.....herewith
tender Cash*/Cheque for Rs. (Rupees
and request that Securities of 7.75 per cent. Loan, 1991 (Fifth Issue)*/9.50 per cent. Loan, 2008* if the nominal value of
Rs. may be issued to me/us* in the
form of *Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below/Stock Certificate.

.....Promissory Note(s) ÷ of Rs. each
.....Promissory Note(s) ÷ of Rs. each
.....Promissory Note(s) ÷ of Rs. each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office			Signature(s)
	Initials	Date	Names in full (Block Letters)
Application No.....		
N.B. Stamp			Address.....
Cash received on.....		
Cheque realised on.....		
Credit to Special Current Account on.....		
Examined
Cash Applications Register posted.....		
Brokerage Register posted.....		
Indent No.....		
Scrip No.....		
Card No.....			Dated the.....
Voucher passed on.....			February 1984

*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate Promissory Note) of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undated documents if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application.
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applications desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

